



# राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

(नेक द्वारा 'A' ग्रेड मान्यता प्राप्त)

अंक - 02

सितम्बर, 2020

संपादन

न्यूजलेटर

## संपादक की कलम से



स्पंदन का दूसरा अंक आप तक प्रेषित करते हुए हमें प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। विश्वविद्यालय ने कोविड-१९ के दौर में अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की ऑनलाइन परीक्षाओं का सफतापूर्वक आयोजन कर विश्वविद्यालय को पेपरलेस बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है, इस सफलता ने विद्यार्थियों की अनेक आशंकाओं को भी निर्मूल साबित करते हुए उन्हें भ्रम एवं भय के वातावरण से बाहर निकाल कर चुनौतियों का दृढ़तापूर्वक सामना करके सफलता अर्जित करने की प्रेरणा प्रदान की है।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न श्री प्रणब मुखर्जी का देवलोकगमन देश के लिए अपूरणीय क्षति है, विश्वविद्यालय अपनी स्मृतियों में उनका सहज, सरल एवं विद्वतापूर्ण व्यक्तित्व संजोए हुए है, वर्ष २०१३ में आयोजित विश्वविद्यालय के अष्टम दीक्षांत समारोह में माननीय श्री प्रणब मुखर्जी की गरिमापूर्ण उपस्थिति से समूचा विश्वविद्यालय गौरवान्वित हुआ था। समूचा विश्वविद्यालय परिवार उनके श्री चरणों में विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित करता है।

स्पंदन के प्रथम अंक का पाठकों ने अवलोकन कर हमारा उत्साहवर्धन किया है। द्वितीय अंक में शैक्षणिक गतिविधियों तथा व्यक्तिगत एवं संस्थागत उपलब्धियों को समुचित स्थान देने का प्रयास किया गया है।

आपके अमूल्य सुझावों का सदैव स्वागत है।

सादर

  
डॉ शशिरंजन अकेला  
मुख्य संपादक

# विश्वविद्यालय के आत्मनिर्भर होने की दिशा में ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन एक अभिनव एवं साहसी प्रयोग

**को**विड-१९ की अवधि में विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं का संचालन देशभर के विश्वविद्यालयों के लिए एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था क्योंकि मार्च २०२० के उपरान्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी महामारी के प्रभाव से बचने के लिए अपने घरों में उपस्थित थे। राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी), भोपाल के अनेक छात्र देश के विभिन्न राज्यों में एवं राज्य के भीतर ही दूरस्थ जिलों में जा चुके थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा २९ अप्रैल २०२० को विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं के संचालन हेतु दिशा-निर्देश जारी किये गए। जारी दिशा-निर्देशों के दृष्टिगत राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा अंतिम सेमेस्टर के छात्रों की परीक्षाओं का संचालन पेन-पेपर आधारित ऑफलाइन मोड पर दिनांक १६ जून २०२० से प्रस्तावित किया गया एवं उसका परीक्षा परिणाम १५ जुलाई २०२० तक घोषित करना प्रस्तावित किया गया। लॉकडाउन अवधि में परिवहन के साधन बंद होने तदुपरांत अनलॉक १ की अवधि में न्यूनतम परिवहन साधनों के साथ विद्यार्थियों का कोविड-१९ के प्रोटोकॉलों का पालन कर सुरक्षित रूप में परीक्षा केंद्र तक पहुँचना एवं सुरक्षा युक्तियों के साथ परीक्षाओं में शामिल होना चुनौतीपूर्ण कार्य था। विश्वविद्यालय के लिए भी ये चुनौती थी कि परीक्षाएं संचालित करवाकर विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम देकर उनकी डिग्री समय पर प्रदान की जाए ताकि वे रोज़गार चयन की प्रक्रिया में समय पर शामिल हो सकें। तदुपरांत दिनांक ६ जुलाई २०२० को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा संशोधित दिशा-निर्देश जारी किये गए जिनके आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा डिप्लोमा, बीई, एवं बी-फार्मा अंतिम सेमेस्टर के छात्रों की ऑनलाइन परीक्षा संचालित करने का निर्णय लिया गया। यहाँ यह उल्लेखनीय है की आरजीपीवी, भोपाल द्वारा निर्मित परीक्षा-पोर्टल का उपयोग मध्यप्रदेश के आरजीपीवी, भोपाल से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों, स्वशासी महाविद्यालयों के छात्रों के लिए किया जाएगा।

## ऑनलाइन परीक्षा के मोड्यूल की कार्य योजना की मुख्य विशेषताएं:

1. परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाएगी।
2. प्रत्येक छात्र अपने-अपने घरों से परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा।
3. यदि कोई छात्र किसी भी कारण से ऑनलाइन परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सका, तो ऐसे विद्यार्थियों के लिए विशेष परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।
4. ऑनलाइन परीक्षा की अवधि २ घंटे की होगी।
5. बीई के छात्रों हेतु प्रश्न-पत्र में ४० वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्न और बी.फार्म के लिए ४५ वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।
6. प्रत्येक विद्यार्थी के लिए प्रश्न-पत्र का निर्माण प्रश्न-बैंक के पूल से प्रश्नों का चयन कर होगा।
7. छात्र डेस्कटॉप/ लैपटॉप / टैबलेट / स्मार्ट फोन जैसे डिवाइस का उपयोग कर परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे।

उक्त कार्ययोजना की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के उपरान्त परीक्षा-पोर्टल का निर्माण, जिसे ब्राउज़र के माध्यम से संचालित किया जाना था, अत्यंत महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण था। विश्वविद्यालय द्वारा यह तय किया गया कि विश्वविद्यालय के परीक्षा-पोर्टल पर ऑनलाइन परीक्षा के लिए पंजीकृत होने वाले छात्रों को यूनिक लिंक प्रदान की जाएगी, जिसके माध्यम से वे परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। साथ ही यह निर्णय भी लिया गया की परीक्षा के पूर्व छात्रों के लिए मॉक परीक्षाओं का आयोजन भी किया जाएगा ताकि विद्यार्थी का पूर्व प्रशिक्षण हो सके एवं वे दक्षता पूर्वक परीक्षा में सम्मिलित हो सकें।

### संपूर्ण प्रक्रिया के निम्नलिखित चरण तय किये गए :-

1. विश्वविद्यालय में छात्रों के उपलब्ध डेटा के आधार पर उनका परीक्षा पोर्टल [rgpvexam.in](http://rgpvexam.in) पर अपलोड किया जाना।
2. छात्रों का परीक्षा पोर्टल पर पंजीकरण किया जाना।
3. प्रत्येक छात्र को पंजीकरण के दौरान एक अद्वितीय यूआरएल (URL) लिंक जनरेट करना होगा। इस लिंक का उपयोग परीक्षा में उपस्थित होने के लिए किया जाएगा।
4. प्रत्येक संस्थान (आरजीपीवी, भोपाल एवं स्वशासी) को पोर्टल पर एक अलग एडमिन लॉगिन दिया गया ताकि वे परीक्षा की समय-सारणी एवं प्रश्न-बैंक अपलोड कर सकें।

5. निर्धारित परीक्षा तिथि पर प्रत्येक छात्र को अपने अद्वितीय यूआरएल लिंक का उपयोग करके सिस्टम में लॉग-इन करने के निर्देश दिए गए।
6. छात्रों को निर्देशित किया गया की वे जिस डिवाइस से परीक्षा में सम्मिलित होते हैं उसमें फ्रंट कैमरा होना चाहिए।
7. प्रतिरूपण से बचने के लिए, नियमित अंतराल पर परीक्षार्थी की तस्वीर लेने का प्रावधान किया गया।
8. परीक्षा-पोर्टल पर प्रावधान किया गया की परीक्षा अवधि के दौरान पोर्टल पर समय प्रदर्शित किया जाएगा साथ ही पोर्टल पर यह प्रावधान किया गया कि-
  - a. ४ विकल्पों के साथ एक प्रश्न को स्क्रीन पर एक बार में प्रदर्शित किया जाएगा। छात्र किसी भी क्रम में किसी भी प्रश्न को देख/उत्तरित कर सकता है। छात्र किसी भी प्रश्न को प्रश्न-मानचित्र के माध्यम से चुन सकता है।
  - b. परीक्षा हेतु निर्धारित समय पूरा होते ही उत्तर ऑटो सबमिट हो जाएंगे।
  - c. यदि कोई डिवाइस किसी कारण से बाधित हुआ, तो छात्र उसी बिंदु से दूसरे डिवाइस पर अपनी परीक्षा पुनः आरंभ कर सकेंगे।

छात्रों को परीक्षा-पोर्टल और उसके बाद की जाने वाली प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए, मॉक-परीक्षाएं आयोजित की गयीं और छात्रों द्वारा उठाए गए मुद्दों का निराकरण कर पोर्टल को परीक्षा के अनुकूल बनाया गया। स्नातक छात्रों की परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी और परीक्षा में उपस्थित हुए छात्रों की संख्या नीचे दी गई तालिका में दी गई है:-

Date	Students due to appear	Students actually appeared	Percentage attendance
24/08/2020	34667	30619	88.32
26/08/2020	34514	32803	95.05
28/08/2020	33878	31967	94.35
31/08/2020	34581	31951	92.39

परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों की औसत उपस्थिति ९२.५२% रही, जो दर्शाती है कि छात्र ऑनलाइन परीक्षा में उपस्थित होने के लिए बहुत उत्साही और सजग रहे।

उल्लेखनीय है की ऑनलाइन परीक्षा की पूर्व योजना करते समय संभावित चुनौतियों के मद्देनजर विश्वविद्यालय ने महसूस किया की पहली बड़ी चुनौती ऑनलाइन परीक्षा-पोर्टल का निर्माण है जिसके माध्यम से परीक्षा संचालित करवाना होगी क्योंकि

कोविड-१९ की अवधि में छात्र अपने घरों को जा चुके थे। अतः राज्य और देश के दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाले छात्रों की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने हेतु पोर्टल को डिज़ाइन करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था।

डिवाइस के माध्यम से घर बैठकर ऑनलाइन परीक्षा देते समय नेटवर्क की उपलब्धता एवं छात्रों को परीक्षा देते समय परीक्षा-पोर्टल पर दक्षता-पूर्वक काम करने की पर्याप्त कुशलता होना, यह भी एक बड़ी चुनौती थी। विशेषकर डिप्लोमा छात्र के लिए जो कम उम्र के हैं एवं कंप्यूटर के उपयोग में दक्ष नहीं होते। इसके अलावा, आरजीपीवी, भोपाल (डिग्री या डिप्लोमा पाठ्यक्रम) में नामांकित कई छात्र समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं जो कंप्यूटर के उपयोग में दक्ष नहीं होते। विभिन्न उपकरणों पर व्यापक परीक्षण के उपरान्त आयोजित किए गए मॉक परीक्षाओं में इन सब बातों का ध्यान रखा गया।

ऑनलाइन परीक्षा के दौरान छात्रों को असुविधा न हो इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा लगभग ६०० संकाय सदस्यों की एक टीम तैयार की गई जिन्हें अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (FAQ) और परीक्षा-पोर्टल के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इस टीम ने विद्यार्थियों की परीक्षा के पूर्व एवं परीक्षा के दौरान आने वाली कठिनाइयों का तत्काल ऑनलाइन समाधान किया जिसके कारण विश्वविद्यालय की ऑनलाइन परीक्षाएं सफलतापूर्वक संचालित हो सकी।

ऑनलाइन परीक्षा संचालन में कई और चुनौतियाँ आईं जिनका निराकरण बहुत कम समय में किया गया। साथ ही सम्पूर्ण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उपलब्ध समय अपने आप में बहुत कम था।

ऑनलाइन परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों के मन में पूर्व में व्याप्त भय एवं आशंकाएं निर्मूल साबित हुयीं। छात्रों ने सहजता से इस मोड्यूल के साथ जुड़कर परीक्षा की नवीन प्रविधि को जाना एवं समझा। यह कोविड-१९ महामारी के दौर में विश्वविद्यालय का एक अभिनव प्रयास था जिसे सफलता पूर्वक पूर्ण किया गया। वस्तुतः ऑनलाइन परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन आगामी समय में विश्वविद्यालय की ऑटोमेशन प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने एवं विश्वविद्यालय को पेपरलेस वर्किंग के साथ जोड़ने के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

—डॉ. प्रभात पटेल  
उप-कुलसचिव (परीक्षा)  
समन्वयक (ऑनलाइन परीक्षा)  
आरजीपीवी, भोपाल

## यूआईटी आरजीपीवी इसरो के आउटरीच नेटवर्क का नोडल सेंटर बना

**भा**रतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), देहरादून द्वारा आउटरीच नेटवर्क के रूप में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के परिसर स्थित घटक संस्थान, यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी को आउटरीच नेटवर्क हेतु नोडल सेंटर के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित पॉलिटैक्निक, यूआईटी एवं यूटीडी के छात्र इन पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण करवाकर इसरो के आउटरीच प्रोग्राम से जुड़ सकेंगे।

इसरो आउटरीच प्रोग्राम के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा के अनुसार इसरो द्वारा आउटरीच नेटवर्क के माध्यम से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं जिनमें **बेसिक रिमोट सेंसिंग, छवि सांख्यिकी, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, फोटोग्रामेट्री और कार्टोग्राफी, भौगोलिक सूचना प्रणाली, ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम एवं भू-स्थानिक उपकरण का अनुकूलन** जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। यह आउटरीच कार्यक्रम दो प्रकार से संचालित किये जाते हैं :

1. लाइव और इंटरैक्टिव कक्षा सत्र (जिसे EDUSAT के रूप में भी जाना जाता है)
2. ई-लर्निंग आधारित ऑनलाइन पाठ्यक्रम

इस आउटरीच प्रोग्राम के माध्यम से छात्र इसरो के वैज्ञानिकों से लाइव बातचीत, उनके मार्गदर्शन में विभिन्न सिमुलेशन सॉफ्टवेयर और अन्य प्लेटफोर्मों पर हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस कर सकेंगे, साथ ही पैनल डिस्कशन और जिज्ञासा सत्रों में शामिल होकर विषय आधारित जिज्ञासाओं का समाधान भी कर सकेंगे।

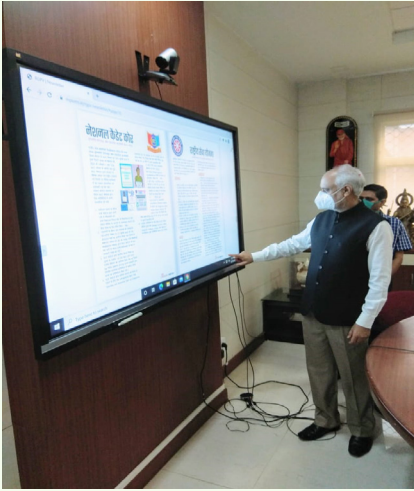
यूआईटी आरजीपीवी को इसरो द्वारा आउटरीच नेटवर्क के रूप में मान्यता प्रदान किये जाने से विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं उसके विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में जान सकेंगे एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से अद्यतन ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।



## विश्वविद्यालय परिसर की गतिविधियाँ

### आरजीपीवी में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण हुआ

राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भारतीय स्वतंत्रता का महापर्व हर्षोल्लास से मनाया गया, इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड में कुलपति प्रो. सुनील कुमार द्वारा ध्वजारोहण किया गया, तत्पश्चात उपस्थित प्राध्यापकगण, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि देशहित में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देकर आत्मनिर्भर भारत बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। आत्मनिर्भर प्रदेश एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए देश के नागरिकों का स्वस्थ रहना जरूरी है, इसलिए स्वस्थ-भारत समृद्ध-भारत को भी हमें मूर्तरूप देना होगा।



ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय के न्यूज़लेटर "स्पंदन" के प्रथम अंक का विमोचन किया, इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुरेश सिंह कुशवाह सहित प्रो. ए.के. सिंह, प्रो.

एस. सी. चौबे, प्रो. मुकेश पाण्डेय, प्रो. संजीव शर्मा, प्रो. असीम तिवारी, प्रो. दीप्ती जैन, प्रो. रविन्द्र पटेल, उपकुलसचिव प्रो. प्रभात पटेल, डॉ रमाकांत श्रीवास्तव सहित न्यूज़ लेटर के मुख्य संपादक डॉ शशिरंजन अकेला एवं संपादक मंडल के सदस्य रणजीत जोशी उपस्थित थे।

### अक्षय ऊर्जा दिवस पर "नवीकरणीय ऊर्जा" विषय पर वेबिनार आयोजित



राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ऊर्जा प्रबंधन विभाग एवं ग्रीन एनर्जी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में अक्षय ऊर्जा दिवस पर "नवीकरणीय ऊर्जा" विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुनील कुमार ने की, मुख्य वक्ता भारत सरकार नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोलर एनर्जी, नई दिल्ली के डायरेक्टर श्री अरुण त्रिपाठी थे, विशिष्ट अतिथि वक्ता के रूप में श्री अभिलाख सिंह ( पूर्व जनरल मैनेजर, भारतीय रिन्यूएबल डेवलपमेंट अथॉरिटी, नई दिल्ली) एवं श्री अनिल कुमार (डायरेक्टर, राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार) थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विषय की प्रस्तावना रखते हुए प्रो. मुकेश पाण्डेय (संचालक, ऊर्जा प्रबंधन विभाग, यूटीडी, आरजीपीवी, भोपाल) ने कहा कि क्लाइमेट चेंज के कारण अमेज़न के जंगलों में आग, साइक्लोन एवं कई स्थानों पर बाढ़ जैसी घटनाएं देखने को मिल रही है, अतः प्रदूषण से उपजी समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार नवीकरणीय ऊर्जा जिसमें सौर, पवन, जल विद्युत एवं जीवाश्म ईंधन की ओर बढ़ रही है। आज ६० प्रतिशत ग्रीन हाउस गैसे उद्योग एवं ऊर्जा क्षेत्र से आ रही हैं, अतः आवश्यकता है कि हम नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे ताकि देश की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति हो एवं प्रदूषण भी नियंत्रित हो सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सुनील कुमार ने कहा कि भारत में एक वर्ष में ३०० दिन तक सौर ऊर्जा की उपलब्धता रहती है इसलिए नवीकरणीय

ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा प्राप्त करने एवं उसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए समाज में जन-जागरण करने के आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा संपोषणीय एवं लो-कास्ट वाली हो इसके लिए प्रयासरत होना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता भारत सरकार नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोलर एनर्जी, नई दिल्ली के डायरेक्टर जनरल श्री अरुण त्रिपाठी ने सौर ऊर्जा शोध की वर्तमान स्थिति एवं शोध ऊर्जा का रोडमैप प्रस्तुत किया। श्री त्रिपाठी ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पॉवर स्कीम वेरीयर्स, नेशनल सोलार मिशन, पी.वी. टेक्नोलॉजी एवं विभिन्न वेरीयर्स पर पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन से नवीकरणीय ऊर्जा पर विस्तृत प्रकाश डाला।

श्री अभिलाख सिंह ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में संबोधित करते हुए कुसुम योजना, ग्रीन कोरिडोर योजना एवं सरकारी तथा निजी संस्थाओं द्वारा नवकरणीय ऊर्जा में किये जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

अतिथि वक्ता श्री अनिल कुमार ने ऑर्गेनिक सोलर सेल की दक्षता, कटिंग ऐज टेक्नोलॉजी, सिलिकॉन टेक्नोलॉजी एवं क्रस्ट लाइन सोलर सेल की जानकारी प्रदान करते हुए सोलर आर.ओ. वाटर एटीएम मशीन पर विस्तृत प्रकाश डाला, उन्होंने आईआईटी कानपुर एवं मुंबई, तथा एएसएमई कोलकाता के सौर ऊर्जा के क्षेत्र में चलाई जा रही विभिन्न शोध परियोजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की।

## आरजीपीवी में सद्भावना दिवस मनाया गया

राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सद्भावना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनील कुमार एवं कुलसचिव प्रो. सुरेश सिंह कुशवाह द्वारा विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना प्रतिज्ञा दिलवाई गयी।

प्रतिज्ञा में यह व्यक्त किया गया कि हम सभी भारतवासीयों में जाति, संप्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किये बिना भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करेंगे तथा सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यम से सुलझाएंगे।

## आरजीपीवी में स्वच्छ और आत्मनिर्भर भारत विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया।



आरजीपीवी द्वारा एसजीएसआईटीएस, इंदौर के सहयोग से स्वच्छ भारत और आत्मनिर्भर भारत अभियान में तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन वेबिनार तकनीकी गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने की, मुख्य वक्ता डॉ. सैयद अली वारसी (सदस्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नई दिल्ली) थे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी तकनीक को समाज के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने एवं दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए उपयोग करना होगा, स्वच्छ भारत अभियान में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने जापान द्वारा वहां के विकास हेतु अपनाई गई तकनीक के उदाहरण देकर बताया कि आत्मनिर्भर एवं स्वच्छ भारत के लिए जनजागरण आवश्यक है। तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की इन दोनों अभियानों में सहभागिता पर उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में विस्तृत कार्य योजना बनाकर संस्थाओं को जोड़ा जाएगा। मुख्य वक्ता डॉ. सैयद अली वारसी जो इंदौर के स्वच्छता अभियान के साथ जुड़े हैं उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी का मतलब केवल शहर का साफ होना नहीं है अपितु वहां के नागरिकों का हेल्थ इंडेक्स निर्धारित मानक के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने इंदौर शहर के स्वच्छ भारत अभियान के तहत सबसे स्वच्छ शहर एवं प्रथम पायदान पर बने रहने के लिए स्थानीय निगम प्रशासन द्वारा शहर को डस्ट फ्री एवं वेस्ट फ्री बनाए जाने के प्रयोगों का हवाला देते हुए बताया कि कचरा कलेक्शन के छोटे केंद्र एवं निर्धारित मानकों में अपेक्षित सुधार

कर कचरा संग्रह करने वाली गाड़ियों को घर-घर भेजने के प्रयोग एवं रात्रिकालीन समय में मशीन द्वारा धूल हटाने के प्रयोग से इंदौर इस स्थान पर पहुंचा है, साथ ही स्वच्छता को लेकर व्यापक जनजागरण एवं नागरिकों के प्रशासन को सहयोग करने के कारण यह संभव हो पाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसजीएसआईटीएस के निदेशक डॉ. राकेश सक्सेना ने कहा कि मानव कल्याण के लिए तकनीकी का इस्तेमाल होना चाहिए, तकनीकी शिक्षण संस्थाओं के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी इस अभियान से जुड़ेंगे तो आत्मनिर्भर एवं स्वच्छ भारत अभियान की सफलता में एक सकारात्मक कदम होगा। इस अवसर पर प्रो एस.सी. चौबे एवं प्रो. मुकेश पाण्डे ने भी अपने विचार रखे। वेबिनार में विश्वविद्यालय के ऊर्जा प्रबंधन विभाग एवं यूबीए सेल की भी भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर विवेक तिवारी एवं आभार प्रदर्शन डॉ सविता व्यास ने व्यक्त किया।

## **आरजीपीवी द्वारा डिप्लोमा के अध्यापकों हेतु एफडीपी का आयोजन**

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश के शासकीय महाविद्यालय के डिप्लोमा अध्यापकों हेतु २१ दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन १ सितंबर २०२० से प्रारम्भ किया गया है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों के १३२ अध्यापक शामिल हुए।

प्रशिक्षण ऑनलाइन संपन्न हुआ जिसमें पाइथन, क्लाउड कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स, ऑटोकैड एवं पीसीबी डिज़ाइन सहित अन्य विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि डिप्लोमा में इस अद्यतन विषय ज्ञान से शिक्षक एवं छात्र दोनों लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय शिक्षकों के शैक्षणिक विकास के लिए कटिबद्ध हैं।





## एनसीसी यूनिट आरजीपीवी गतिविधियाँ

- यूआईटी आरजीपीवी की एनसीसी यूनिट के कैडेट्स द्वारा पर्यावरण सप्ताह के दौरान अपने घरों में पौधारोपण कर अपने निकटतम निवास क्षेत्र में पौधारोपण के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाने एवं पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया।



- भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान जागरूकता पखवाडा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का ऑनलाइन आयोजन एवं सहभागिता की गई।
- राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल की घटक संस्था यूआईटी, आरजीपीवी के एनसीसी कैडेट्स द्वारा फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत कोरोना महामारी की परिस्थितियों में स्वयं फिट रहने एवं अपने स्वजनो को स्वस्थ बनाए रखने के लिए स्वयं को संकल्प बद्ध किया गया। एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रतिदिन पाँच स्वजनो के साथ १ घंटा योगाभ्यास एवं व्यायाम कर फिट इंडिया अभियान को सफल बनाने एवं उद्देश्यपूर्ति में योगदान दिया गया। इस प्रकार एनसीसी के द्वितीय वर्ष के १४ कडेट्स द्वारा ७० स्वजनो एवं मित्रो तक इस अभियान को सफलतापूर्वक पहुंचाया गया।

## एनएसएस यूनिट आरजीपीवी गतिविधियाँ

- मायगव (MyGov) और रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित आत्म-निर्भर भारत-स्वतंत्र भारत प्रश्नोत्तरी में १५ स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- ६ अगस्त २०२० को आयोजित "संस्कृत वाग्म्य में विज्ञान के आयाम" विषय पर आयोजित वेबिनार में १० स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ रिहैबिलिटेशन (NIMHR), सीहोर द्वारा ७ अगस्त २०२० को आयोजित "युवा वयस्कों के बीच अवसाद - लड़ने की रणनीतियों को सशक्त बनाना" विषय पर आयोजित वेबिनार में ११ स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।
- यूआईटी, आरजीपीवी द्वारा आत्म-निर्भर भारत अभियान पर आयोजित ई-सर्वेक्षण में ५ स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।
- कोविड-१९ से सम्बंधित मास्क की उपयोगिता, सोशल दूरी के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों द्वारा पोस्टर, वीडियो द्वारा डिजिटल ड्राइव आयोजित की गई।
- स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत, परिवेश की स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से २६ अगस्त २०२० को एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा ऑनलाइन "स्वच्छता प्रतिज्ञा" आयोजित की गई।
- मिनिस्ट्री ऑफ़ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, भारत सरकार द्वारा १५ अगस्त २०२० से २ अक्टूबर २०२० तक फिट इंडिया फ्रीडम रन आयोजित किया जा रहा है। आज दिनांक तक इसमें १७ एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा हिस्सा लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त किये जा चुके हैं।

## संबद्ध संस्थानों की गतिविधियाँ

### वीएनएस ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन, भोपाल

- संस्थान को सृजन 2020 प्रतियोगिताओं में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन पर तकनीकी शिक्षा मंत्री, श्री ओम प्रकाश सकलेचा व आरजीपीवी, भोपाल, कुलपति प्रो. सुनील कुमार द्वारा चरक ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।
- वेबीनार आयोजित किए गए जिसमें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर उद्बोधन दिए। जिसमें मर्डोक यूनिवर्सिटी, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया के प्रोफेसर चुन चे लांस फुंग हो ने चौथी औद्योगिक क्रांति में किन तकनीको का समावेश है के बारे में विभिन्न संकायो के 200 से अधिक छात्रों व शिक्षकों को बताया। कोरोना वैक्सीन के निर्माण में संलग्न सिरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया पुणे के सीनियर मैनेजर व व्हीएनएस फार्मसी संस्थान के पूर्व शिक्षक डॉ सुनील माहौर ने वैक्सीन निर्माण के वैज्ञानिक दृष्टिकोण व विधियों के बारे में छात्रों और शिक्षकों को बताकर शोध की गतिविधियों में कैसे गति प्रदान करते हैं का उल्लेख किया।
- व्हीएनएस ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स भोपाल की एनएसएस इकाई द्वारा पोस्टर व पेंटिंग्स बनाकर कोरोना महामारी के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया।

## स्मृति-शेष



# भारतरत्न श्रद्धेय श्री प्रणब मुखर्जी (1935 -2020)

## विनम्र श्रद्धांजलि

**भ**ारतरत्न पूर्व राष्ट्रपति श्रद्धेय श्री प्रणब मुखर्जी २०१२ से २०१७ तक देश के १३<sup>वें</sup> राष्ट्रपति रहे। पश्चिम बंगाल में जन्मे श्री प्रणब मुखर्जी को चलता फिरता 'इनसाइक्लोपीडिया' कहा जाता था और हर कोई उनकी स्मरण-क्षमता, तीक्ष्ण बुद्धि और मुद्दों की गहरी समझ का मुरीद था।

साल १९८२ में वह भारत के सबसे युवा वित्त मंत्री बने, तब वह ४७ साल के थे, आगे चलकर उन्होंने विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और वित्त और वाणिज्य मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। वह भारत के पहले ऐसे राष्ट्रपति थे जो इतने पदों को सुशोभित करते हुए इस शीर्ष संवैधानिक पद पर पहुंचे। केंद्र सरकार द्वारा उन्हें वर्ष २०१९ में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान "भारतरत्न" से विभूषित किया गया था। जनता के राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले श्री मुखर्जी को राष्ट्रपति भवन को जनता के निकट ले जाने के लिए उठाए गए कदमों के लिए भी याद किया जाएगा। उन्होंने जनता के लिए इसके द्वार खोले और एक संग्रहालय भी बनवाया।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का देवलोकगमन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। विश्वविद्यालय अपनी स्मृतियों में उनका सहज, सरल एवं विद्वतापूर्ण व्यक्तित्व संजोये हुए है। वर्ष २०१३ में आयोजित विश्वविद्यालय के अष्टम दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के रूप में श्री प्रणब मुखर्जी की गरिमापूर्ण उपस्थिति से विश्वविद्यालय परिवार गौरवान्वित हुआ। विश्वविद्यालय परिवार पुण्यात्मा के श्रीचरणों में विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित करता है।



विश्वविद्यालय के अष्टम दीक्षांत समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी की गरिमापूर्ण उपस्थिति (६ जून, २०१३)

## CENTRALIZED RESEARCH HUB AT RGPV UNDER TEQIP-III

**R**ajiv Gandhi Proudyogiki Vishwavidyalaya, Bhopal, under the Technical Education Quality Improvement Programme (TEQIP-III), has established state-of-the-art centralized Research Hub - a cluster of flagship centralized laboratories in the emerging research areas for providing a shared research facility to researchers, post-graduate and undergraduate students, and faculty members of university's affiliating institutions. The Research Hub aims to foster a perpetual culture of innovation.

The objective of this Research Hub is to work in consonance with the Government of India's visionary policies such as Make in India, Skilled India, Start-up India & Scale-up India, *Aatma Nirbhar Bharat* and so on.

The centralized Research Hub is equipped with the state-of-the-art hardware, design softwares, instrumentation facilities, and supplemental resources for promoting extensive research in the following emerging fields of research:

### CENTRE FOR RESEARCH IN EARTHQUAKE ENGINEERING & DISASTER MANAGEMENT (CREED)

**CREED** Lab facilitates research in earthquake engineering, structural vulnerability assessment, microzonation, and disaster mitigation. The facilities include high-performance instruments for seismic exploration such as GEA24 - a compact-sized 24 channel seismograph suitable for refraction, downhole, cross-hole, Vs30, and Multi-Channel Analysis of Surface Waves (MASW) analysis. The facility shall disseminate testing capabilities towards geotechnical investigations, shear-wave velocity (Vs30) profiling, and a wide range of seismic exploration activities.

### CENTRE FOR EXCELLENCE IN ALTERNATIVE AUTOMOTIVE FUELS & EMISSION.

**T**he lab imparts research & testing of various Petrol & Diesel Engines with new alternative fuels and engine emissions testing to propose new alternate fuels. The lab includes a four-cylinder Petrol research Engine with ECU controls including a Multispeed MPFI 1200 cc automotive petrol engine with eddy current dynamometer and combustion measurement facility and computer-controlled variable compression ratio multi-fuel engine.

### CENTRALIZED LAB FOR RESEARCH IN COMPUTER SCIENCE AND INFORMATION TECHNOLOGY

- The lab is equipped with ANEKA software for cloud computing and hands-on experiments using cloud-based lab technologies. Aneka is a platform and a framework for developing distributed applications on the cloud.
- NETSIM Software for networking to carry out research projects in LTE, MANET, VANET, Wireless sensor network, cognitive radio network, etc. NetSim is an end-to-end, full-stack, packet-level network simulator and emulator.
- It provides network engineers with a technology development environment for protocol modeling, network R&D, and military communications.

### CENTRALIZED LAB FOR RESEARCH IN COMPUTER SCIENCE AND INFORMATION TECHNOLOGY.

- The lab includes IoT for research on sensor data processing, network architecture, and embedded intelligence.
- IoT Lab is equipped with LoRaWAN, BLE Mote Kit, WLE Mote Kits & Sensors.

## CENTRALIZED RESEARCH LAB FOR MATERIAL TESTING.

The lab is equipped with Power X-Ray Diffraction (XRD) to analyze the structure of crystalline materials.

## CENTRALIZED LAB FOR RESEARCH IN ELECTRICAL & ELECTRONICS.

- MATLAB (matrix laboratory) tool multi-paradigm numerical computing environment
- Laboratory Virtual Instrument Graphical User Interface Engineering Software (LABVIEW).
- ANSYS HFSS-EM
- OPAL-RT PC/FPGA-based real-time simulators, Hardware-in-the-Loop (HIL) testing equipment, and rapid control prototyping (RCP) systems.
- MATLAB Based/PSCAD- Simulink Based Real-Time Simulator using CPU & FPGA Co-Simulation Technology for Plant & Controller Simulation
- Proteus modules to be used as simulation software lead to simulating components and drawing the desired circuit.

## CENTRALIZED LAB FOR RESEARCH IN PRODUCT DESIGN & ANALYSIS

- ANSYS Mechanical & CFD
- Computer-aided three-dimensional interactive application (CATIA)
- SolidWorks
- STAAD PRO

## CENTRALIZED RENEWABLE ENERGY RESEARCH CENTRE (RERC)

The Center is equipped with Signal Analyzer (PV Kit), Solar Power Meter Analyzer and Data Logger, Transient Temperature Signal Analyzer, Geo Signal Analyzer and Data Logger (Ultrasonic Wind Anemometer), 15 GHz VNA Master Combination Analyzer with Vector Voltmeter, Photo Voltaic Signal Analyzer and Plotting Kit with Data Logger Unit for the research and development in the area

of renewable energy.

## CENTRALIZED EPIGENETIC & CRYOPRESERVATION LABORATORY.

Purification System, Ice Flaking Machine, Refrigerated Ultracentrifuge, Ultra Microbalance. The Cryopreservation equipments includes, -80° C Freezer with a capacity of 400-450 liters, LN2 Device 2000 Useful for preservation of viable animal and human cell lines for animal cell culture, stem cell technology, and medical biotechnology.



Genomics and Genetic Engineering



Microbial Culture Lab



Plant Tissue Culture Lab



Animal Tissue Culture Lab



## INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS (IPR) POLICY OF RGPV

The intellectual property rights policy of the Rajiv Gandhi Pradyogiki Vishwavidyalaya (RGPV), Bhopal seeks to guide faculty, non-academic staff, students, and scholars as well as outside agencies on the practices and the rules of the university regarding intellectual property rights (IPR) and obligations which include the nature of the intellectual property (IP), its ownership, exploitation, technology transfer and confidentiality requirements. This document states the university's policy concerning protection, ownership and licensing, of Intellectual Property generated with/without external funding. The policy laid down in this document is expected to fulfill the university's commitment to promote academic freedom and provide a conducive environment for research and development. Any revenue generated by the exploitation of IPR will be shared between the creator/inventor, his or her faculty or department/center, and the university after deduction of agreed costs borne by the university on the prescribed terms and conditions. The guideline for sharing the net earnings generated from the commercialization of the university-owned intellectual property will be taken in slabs as follows:

Case	Net Earnings	Share (%)		
		Inventor(s)	Department/ Centre	RGPV
1	For the first slab of amount "X"	60	20	20
2	For the slab of next amount "X"	50	25	25
3	For amounts more than "2X"	40	30	30

It is suggested that the amount "X" be initially fixed at Rs. 100 lakhs. The creator(s) share would be declared annually, and disbursement will be made to the creator(s), their legal heir, whether the creators are associated with the University at the time of disbursement. When the University reassigns the rights of the IP to its creator(s) for any country, the creator(s) shall reimburse the costs incurred by the University for the protection, maintenance and marketing, and other associated costs from the cumulative earnings from successful commercialization in that country as under:

Case	Cumulative earnings		RGPV's share
A	Up to twice the cost incurred by the University for protection, marketing and other associated costs.	50%	50%
B	Beyond A	100%	0%

Co-creators of IP shall sign at the time of disclosure, a Distribution of IP Earnings Agreement, which shall specify the percentage distribution of earnings from IP to each co-inventor. The inventors may, at any time by mutual consent, revise the distribution of IP earnings agreement.

## INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS (IPR) POLICY OF RGPV

The creator's share will continue to be paid to the person or his/her nominee irrespective of whether the creator/inventor continues in the university's employment or is deceased. The university will also honor any commitment to make payments to a member of the University staff as a creator/inventor who had left the university's employment before the exploitation of IPR.

## THE SUPPORT TO CREATE THE STARTUP ECOSYSTEM: PEDAGOGICAL ROLES

- **On Campus-Off Campus: Course on 'Startup: Launching and Sustaining'** will be discussed inside the classroom as well as through Off-Campus sites. Students will be motivated and supported to make visits based on their business ideas and learn about individual market practices.
- **Entrepreneur-on Campus (both successful and failed):** In addition to the regular classes and assignments, entrepreneurs or startup entrepreneurs (both successful and failed) will be invited on campus to live with the students and mentor/guide them for their startups. The successful entrepreneur will teach his experience with success. However, the failed entrepreneur would offer guidance on mistakes to be avoided.
- **Angels and Venture Capitalists in Classrooms:** Business Angels, Bankers, and Venture Capitalists will be invited as part-time course instructors to guide them in pursuing a startup as a career. The practical knowledge and rich insights provided by these experts would help students during their startups' financial planning.
- **Workshops:** A set of workshops will be scheduled like Opportunity Sensing and Business Ideation, Raw Idea to Viable Business Idea, Technology Commercialization, IP filing, and B-plan preparation.
- **Startup Fest:** Startup fests & e-Summit at national and international levels will be introduced on campus. This initiative will be connected and extended to academic campuses. Such fests would serve as an ideal platform for Student Startups to showcase their ideas and work with a broader audience comprised of

potential investors, mentors, and fellow startups.

- **Development of Student Startup Manual:** RGPV, Bhopal, will develop manuals on 'Business Ideation to Launch a Business Startups.' These manuals will help faculty and trainers as they guide their students effectively.
- **Mentoring, Incubation, and Acceleration Web-portal for Mentoring of Startups:** RGPV, Bhopal shall provide an interactive web-portal for mentoring of startups along with a list of approved mentors. Startups can then identify mentors, interact with them, and gain guidance. The web-portal will also have a database of subject matter specialists, researchers, faculty and trainers & various forms of necessary documents.

## PRE-INCUBATION PLANNING:

Pre-Incubation Planning is vital to identify ideas that can successfully go through the incubation process. This pre-incubation phase will prepare student entrepreneurs for the incubation phase by providing them prerequisite skills and knowledge that will help them validate and assess their ideas and define their business models in detail. In the pre-incubation planning phase, the following activities are to be performed:

- **Basic Idea Testing:** RGPV will ensure the pre-incubation qualification of a student's business idea.
- **Promoters Details:** Relevant details of promoters shall be validated before allowing startups to enter the incubation process.
- **Registration of Startup:** The Student Startup will be registered under a business entity like Partnership, Firm, LLP, Private Limited Company, and One Person Company. Startups will be able to provide a copy of the registration certificate/letter to his/ her academic institution.
- **Admission to Incubator/Co-working Space:** Admission into a startup incubation/co-working



## STARTUP ECOSYSTEM OF RGPV

space program of any TBI (approved by GoI) is permissible.

- **Handbook on Pre-incubation Activities:**

A Handbook on Pre-incubation activities developed by AICTE for faculty/trainers and consultants involved in developing and teaching startups in RGPV will be provided on the web portal where students, mentors, and teachers can view and use it.

### FUNDING:

The RGPV, Bhopal has set-up a fund with a corpus of Rs. 10 crores for students' startups vide Executive Council number No F-5/Acad/EC/97/RGPV/2018/1328 Dated 31st march 2018. Early Stage Seed/Venture Capital funds/Infrastructure funds from RGPV and funds from various funding agencies viz. AICTE, UGC, DST, DBT, etc. shall also be arranged for students' startups.

RGPV shall link-up all government funding supports available under varied programmes such as Startup India, Stand-up India, Make-in-India, Swachh Bharat, Digital India and Schemes of Department of Science and Technology, Department of Biotechnology for Entrepreneurship Development.

Funds from Corporate Social Responsibility (CSR), Private Funding shall also be explored and would be made available.

RGPV has also created space for Corporate to set-up their startups on University campus. The revenue generated in the form of rental, recurring interest income, etc. through this system shall also be utilized to promote further startup activities. For each approved/selected startup projects through a laid down process, a financial grant of up to Rs. 100 lac maximum may be provided through RGPV Corpus. This grant shall be provided in five stages as enumerated below:

- After preliminary selection; Rs. 25000/- maximum or actual expenditure for preparing

DPR.

- After DPR acceptance, Rs. 25000/- maximum or actual for IPR procedures, if any.
- Rs. 25000/- maximum or actual as initial seed grant to execute the business plan, hiring consultants/ mentoring services.
- Rs. 25000/- maximum or actual to meet the contingent incubation expenditures.
- After successful incubation during incorporation, RGPV may have 3% promoter equation or cost basis.

### OTHER SUPPORT

- Legal Support and Fast-tracking Patent Examination at Lower Costs
- Legal Support and Fast-tracking Patent Examination at Lower Costs would promote awareness and adoption of IPRs by Startups and facilitate them in protecting and commercializing the IPRs by providing access to high quality Intellectual Property services and resources, including fast-track examination of patent applications and rebate in fees.
- Organizing Startup Fests
- A pivotal component for growth of Startups is regular communication and collaboration within the Startup community, both at the national as well international levels. We plan to organize one fest at the state level annually to enable all the stakeholders of Startup ecosystem to come together on one platform. The fests shall have activities such as sessions to connect with investors, mentors, incubators and Startups, showcasing innovations, exhibitions and product launches, pitches by Startups, mentoring sessions, curated Startup walks, talks by disruptive innovators, competitions such as Hackathon, Makerspace, etc., Announcements of rewards and recognitions, panels and conference.
- iInfrastructure Support

## STARTUP ECOSYSTEM OF RGPV

- RGPV, Bhopal will support the student who has opted for the 'Startup: Launching and Sustaining' programme by providing mentoring services and allow the student to use facilities available in the institution as well as in the institution's business incubation cell or TBI.

**R**ajiv Gandhi Pradyogiki Vishwavidyalaya, Bhopal has adopted the five villages - *Chandpur*, *Bishankhedi*, *Dobra*, *Khejdadev*, and *Parewa Kheda* of the *phanda block* in May, 2018 under the Unnat Bharat Abhiyan (UBA) of the Ministry of Human Resource Development (MHRD), Govt. of India. The UBA Cell, RGPV, Bhopal works closely in these villages with villagers' active participation, primarily in the areas of renewable energy, waste-management, *gram swachhata abhiyan*, education, and general healthcare.

### ENERGY EFFICIENT VILLAGE:

Since inception, the UBA Cell, RGPV, Bhopal has been consistently working towards the promotion and utilization of renewable energy in the adopted villages. The cell has also coordinated and installed a 2kW Solar Plant at the primary school of the village *Chandpur*, and middle school of the village *Khejdadev* with the financial and technical support from the Madhya Pradesh Urja Vikas Nigam Ltd. (MPUVNL), Govt. of Madhya Pradesh, Bhopal in November 2018.

**Urja Daksh Gram Project:** The project on "Urja Daksh Gram Yojana" got sanctioned from MPUVNL Bhopal in February 2019 for the villages Dobra and Chandpur. Urja Daksh Led, Fan, Tubelight were provided in these villages. Awareness program for installation of Solar Agri Pump". Supported interested farmers in all documentation & coordination with the concerned authorities. The first Solar Agri Pump of 3HP was installed in the village Dobra in April 2019. Under the state govt. CM solar Pump scheme farmers have received a subsidy of 90 percent.

### REGULAR AWARENESS PROGRAMME ON CLEANLINESS, HEALTH & HAPPINESS, RURAL WASTE MANAGEMENT:

A three-day awareness camp was organized in the village *Chandpur* on cleanliness, health, and happiness. Bio-briquettes preparation training was also given to the villagers of *Chandpur* and *Dobra* using available organic waste material of the agriculture fields, which can be used as a fuel. The UBA Cell also organized various activities in the adopted village dedicated to the theme of "Swachha Gram" and "Say no to Single-Use Plastic Abhiyan" during *Swachhata Pakhwada*. A friendly cricket match was also played between the team of the RGPV, Bhopal, and the team of villagers at *Chandpur* village in which the village team won the match trophy.

## PATENT - ACHIEVEMENT

### COMPUTER IMPLEMENTED METHOD OF CANCER MODEL FOR THE CANCER TREATMENT WITH USING DIFFERENT MATHEMATICAL OPERATORS

APPLICATION STATUS: APPLICATION PUBLISHED

The present invention is related to the technical field of biological disease modeling, and in particular relates to cancer modeling method and use thereof. The present invention generally relates to computational models of cancer prediction, diagnose and treatment. Particularly, the present invention relates to computational biology modeling using mathematical derivative to derive a model for simulation or systematic analyses of cancer with respect to an individual organism and life forms. More particularly, the present invention is related to a computer implemented method of cancer model for the cancer treatment with using different mathematical operators. The principle objective of this invention is to provide a computer implemented method of cancer model for the cancer treatment with using different mathematical operators. Further objective of this invention is to solve the problems of techniques of the prior arts in design of cancer models.

#### NAME OF PI & CO-PI (UNDER TEQIP III CRS PROJECT):

PI : Dr.Vijay Kumar Gupta (PI), Professor & Head, Deptt. of Mathematics, UIT, RGPV  
CO PI : Dr. Jyoti Mishra (Co-PI), Astd. Professor, GGIT, Jabalpur  
CO PI : Dr. Ashish Mishra (Co-PI), Astd. Professor, GGIT, Jabalpur

## ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGINEERING DEPARTMENT

- A workshop on “IT Carrier Opportunities” was organized on 8<sup>th</sup> August 2020 in collaboration with NIIT.
- A three-day workshop on “Virtual Labs: An MHRD Government of India Initiative” was organized from 16<sup>th</sup> August to 18<sup>th</sup> August 2020 by the department.
- A one day workshop on “Full stack Java Development” was organized on 22<sup>nd</sup> August 2020.
- A webinar on “Ultra Wideband Technology” was organized on 29<sup>th</sup> August 2020.

## MECHANICAL ENGINEERING DEPARTMENT

- Prof. Vivek Bajpai, IIT (ISM) Dhandab delivered a technical talk on “Concept of Cryo Machining” on 8<sup>th</sup> August 2020.
- Mr. Rishabh Sharma, Sr. Engineer, R&D, Ashok Leyland delivered an expert talk in a webinar on “Challenging Strategies & Cost effective Technology options for Achieving Stringent BS VI norms” on 22<sup>nd</sup> August 2020 and on “BS6 emission norms & modern vehicles on 28<sup>th</sup> August 2020.

## ELECTRICAL ENGINEERING DEPARTMENT

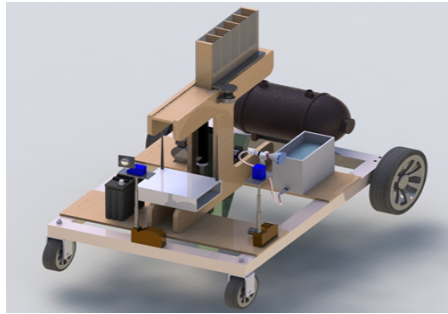
- Seminar on “How to prepare for UPSC-Civil Services Examination” was conducted by Mr. Ashutosh Bagri IPS, on 8<sup>th</sup> August 2020 in which 232 candidates participated.
- Seminar on “Design of Electrical Rotating Machines using Ansys Motor-CAD” was organised on 8<sup>th</sup> August 2020 in which 367 candidates participated.
- Short Term Training Programmes (STTP) on “Real Time Simulation on OPAL-RT Technology” was organized from 17<sup>th</sup> August 2020 to 18<sup>th</sup> August 2020 in which 68 candidates participated.
- Workshop on “e-learning through NPTEL” was organized on 23<sup>th</sup> August 2020 in which 274 candidates participated.
- Short Term Training Programmes on “ANSYS” was organized from 25<sup>th</sup> August 2020 to 29<sup>th</sup> August 2020 in which 168 candidates participated.
- A workshop of PhD Scholars on “Power Systems” was organized on 27<sup>th</sup> August 2020 in which 22 candidates participated.
- A Workshop of PhD Scholars on “Smart Grid Cyber Security” on 27<sup>th</sup> August 2020 in which 22 candidates participated.
- A Workshop of PhD Scholars on “Electric Vehicle” was organized on 29<sup>th</sup> August 2020 in which 37 candidates participated.

## ACTIVITIES OF AFFILIATED INSTITUTIONS

### PATENT - ACHIEVEMENT

#### GYAN GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND SCIENCES

**TITLE- SYSTEM FOR AUTONOMOUSLY PLANTING, WATERING AND MONITORING IN AGRICULTURAL FIELD AND IN REMOTE FOREST AREAS (PATENT NO – 202021036662)**



The proposed system is a rover robot “Dionysus” which can plant just by 1 click. It can drive in rough agriculture lands, hills, forests, etc. It is fully electric, gaining energy from solar panel and battery. It drives its way autonomously to the place where the plantation is carried out using Machine Learning capabilities. It automatically determines the exact suitable location for planting and stores its coordinates for future reference. It monitors moisture, water content in soil etc. then sprinkles the required amount of water. It also monitors plant growth and notifies the user. It also monitors diseases, insects on plants using Image Processing Technology and notifies user for required pesticide/insecticide and spray it on exact plants and not in the whole field thus reducing the cost.

#### APPLICANTS:

*Prakhar Mani Tripathi, Nishi Patil, Pragyan Jain, Aditya Singh Patel, Gaurav Patel, Sakshi Namdeo, Surubhi Khurasiya, Dr. Purnima Beohar, Dr. Vandana Roy,*

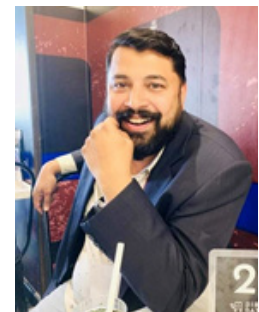
#### INVENTORS:



*Prakhar Mani Tripathi*



*Nishi Patil*



Pragyan Jain

### PATENT - ACHIEVEMENT

#### VENTILATED PERSONAL PROTECTIVE EQUIPMENT (VPPE) (PATENT NO. 202021023833)



**INVENTOR**  
**MOHD. ASAD MANSOORI**

*(This invention was made possible with the dedicated support of my father-mr. Abdul baqi, sister-andleeb fatima, mother-mrs. Savistan mansoori and hod ee ggits-Mr. Rajeev chauhan.)*

**A**s pandemic (COVID-19) spreads the health care workers who encounter this task their work will also increase which also have very adverse effect on their health and ultimately will affect the effectiveness of work or duty. Major problem is heat related illness which should be solve, covered or seal suit or PPE increases the heat of a body which also increases the temperature, humidity in body which make body inadequate to perform their duties or work effectively, It should be made comfortable and ventilated enough to scale the time of wearing and encounter heat related illness. However PPE kit used by doctors, nurses or healthcare workers is not having any ventilation system at present and also not comfortable, In present system health related problem is reported by many health care workers also it is sealed and uncomfortable that it may causes heat related illness when they wear the suit more than 2-3 hrs (approx.) due to no ventilation and also no filtered air supply. In order to solve the problem, Ventilation system should be Adapted on every PPE this can be achieve by Device or Invention called VPPE (Ventilated Personal Protective Equipment) Which uses Aerodynamic Technology for air flow, And Provide the Proper Ventilation for 4-5 hrs.(approx.)

VPPE consists of inbuilt 3 Units set-Fan Unit, Filter Unit, Air supply Unit.

#### **BENEFITS OVER PREVIOUS PPEKIT:-**

Provides very effective ventilation; provides very effective air filtration; easy to manufacture; easily availability of items in every local market; very durable; easily detachable & removable; reusable and changeable (filters can be changed very easily uses slide filter type); very compact and comfortable to carry; easy to operate; easily repairable; very cheap and very light; steady operation and high efficiency (5 hrs. Or more working time); comfortable to use anyway.

**Note :-** This invention is proven very important in this pandemic which is said by many covid19 doctors, youth as well as gained the national coverage of the invention in print and electronic media, which also gives hope to young engineers and one step ahead to make India innovative, developed and *Aatma-Nirbhar Bharat*.

### ACROPOLIS INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND RESEARCH, INDORE (MP)

- CSE Department, AITR, in association with RGPV under TEQIP-III organized a one-day online FDP on “Natural Language Processing with Deep Learning” for the faculty members of RGPV affiliated institutions on 29<sup>th</sup> August 2020. The expert speakers were Dr. Maya Ingle, DAVV, Indore; Dr. Apurva Desai, Professor, Surat University; and Mr. Mustafa Fatakdawala, Data Scientist, TCS, Mumbai. The topics such as introducing NLP with ML Techniques, Morphological Analysis of Gujrati Natural Language, and Implementation of Language Processing Techniques were discussed in the programme. Over hundred faculty members from various institutions attended the programme
- Department of ECE organized Art of Living Sessions (Student Excellence and Learning Program, SELP) sponsored by World Bank and RGPV from 5<sup>th</sup> to 11<sup>th</sup> August 2020, in which over 70 students of Acropolis participated, and learnt about the Yoga, breathing techniques; and various life skills.
- Mechanical Department organized a webinar on “Career Prospects in HVAC & R. Industry on 22<sup>nd</sup> August 2020 to familiarize and explore the details about Society of Heating, Refrigerating and Air Conditioning Engineers (ISHRAE) and Entrepreneurial aspect of HVAC Industry.

### THAKUR SHIV KUMAR SINGH MEMORIAL PHARMACY COLLEGE, BURHANPUR

- Thakur Shiv Kumar Singh Memorial Pharmacy College, Burhanpur organized many webinars on topics such as “Manufacturing Science & Technology” (Speaker- Mr. Surendra Durugkar, Head Technology Transfer and Life Cycle Management, Rubicon Pvt. Limited, Mumbai), “Current Scenario in drug regulation affairs” ( Speaker- Mr. Ritesh Kharkar, Regulatory affair, Alembic pharma Ltd Hyderabad) etc.
- A pharmacy webinar was organized by Dr. Sumedh Kamble (Professor, University of Sydney School of medicine Sydney Australia).
- Pharma quiz was organized in which 300 participants from different regions participated.
- TSBPC faculty formulated herbal sanitizers in laboratory and distributed in and around the campus area.

### LAKSHMI NARAIN COLLEGE OF PHARMACY, BHOPAL

- Organized a webinar on “Depression: Identifying your needs and findings solutions” for B.Pharm., III Year students on 30<sup>th</sup> August 2020. The objective of this webinar was to spread the awareness about depression and to help students in managing stress through better life choices.



### LAKSHMI NARAIN COLLEGE OF TECHNOLOGY & SCIENCE, BHOPAL

- Awarded National Employability Award for being amongst the top ten percent campuses nationally by Aspiring Minds.
- T&P Department organized a webinar on 12<sup>th</sup> August 2020 by Evosys-Mastek on “Project Deep Blue”.
- Lakshmi Narain College of Technology, Bhopal is now a “Recognized Social Entrepreneurship, Swachchata & Rural Engagement Cell (SES REC) Institution”. A certificate was issued on 29<sup>th</sup> August 2020 by Mahatma Gandhi National Council of Rural Education, Department of Higher Education, Ministry of Education, Government of India. The institution has successfully framed the SES REC Action Plan, and constituted ten working groups for improving facilities in the campus and the community/adopted Villages in the area of Sanitation & Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Conservation and Greenary post Covid-19.
- Organized a talk with Ms. Ayushi Jain, Rank 41 UPSC Civil Service Exam 2019 on 26<sup>th</sup> August 2020, where she shared “Success Mantra” with students and faculty of the institution.
- Organized the second Virtual Factory Visit & Live Interaction at Hitachi, Air Conditioning Solutions on 29<sup>th</sup> August 2020.
- Three students’ teams and mentors, attended the live sessions, presentations and technical interactive session of the Grand Finale of Smart India Hackathon, 2020 held during 1<sup>st</sup>-3<sup>rd</sup> August 2020 at three different nodal centers. The team Alpha students - Mr. Abhishek Jain, Ms. Srishti Agarwal, Mr. Soumik Baithalu, Ms. Vedika Singh, Mr. Balkrishna Yadav, and Mr. Austin Kuriakose interacted with the MHRD’s Innovation Cell

members.

### IPS COLLEGE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT, GWALIOR

- A series of webinar were organized in association with RGPV, Bhopal under TEQIP-III for the students and faculty members of the affiliated institutions of the University. In the series of webinar, the first one was on “Micromachining: An Overview” by Dr. V. K. Jain, Retd. Prof, IIT, Kanpur. Second on “Biodiesel A Promising Alternative Fuel” by Prof. Savita Dixit, MANIT, BHOPAL. Third on “Web Forensics” by Dr. D. S. Tomar, Associate Professor, MANIT, Bhopal. Fourth on “Introduction To Stem Cells & Their Harvesting For 3d Bio-Printing” by Prof. Ravi K. Dwivedi, MANIT, Bhopal and the fifth one (self funded webinar) on “Career Options and Opportunities for Electronics/Electrical Engineers” by Renjith CV, Project Manager, Philips India Ltd.
- A seven days workshop on “Python for Machine Learning and Applications” was held in association with RGPV, Bhopal, under TEQIP- III during 24<sup>th</sup> August 2020 to 30<sup>th</sup> August 2020.
- An STTP on “Multirate Digital Signal Processing” was held in association with RGPV, Bhopal, under TEQIP-III during 24<sup>th</sup> August 2020 to 30<sup>th</sup> August 2020.
- NCC cadets of IPS College of Technology and Management spread awareness for Aatmanirbhar Bharat Abhiyan (an initiative of Govt. of India) on social media, by posting blogs, videos, pictures and by adopting made in India products. The cadets also spread awareness on Fit India Campaign, which is scheduled from 15<sup>th</sup> August 2020 to 2<sup>nd</sup> October 2020. The NCC cadets posted pictures of their workouts on social media to encourage people to adopt a healthy lifestyle. The cadets also participated in the “Fit India Freedom Run” program.

### IIST, INDORE

- Three teams from CSE and IT department of IIST participated in the Grand Finale of the Smart India Hackathon (SIH-2020) organized by the MHRD, Government of India on 1-3 August 2020. The “Team Legionnaire” and the “Team Cloud 9” from CSE and IT department of IIST, Indore bags Prize of Rs.1,00,000/- in the Grand Finale of Smart India Hackathon 2020. The “Team Legionnaire” constituted six students from 2022 Batch, namely, Mr. Aaveg Gupta (Team Lead), Mr. Krishna Gopal Patidar, Mr. Animesh Gurjar, Mr. Harsh Mishra, Ms. Anushka Dwivedi, and Ms. Isha Ranka. The team developed a prototype of “AI-based Chatbots for providing health-related information”. The “Team Cloud 9” constituted six students from 2022 Batch, namely, Mr. Sanskar Shrivastava (Team Lead), Mr. Vinay Solanki, Mr. Prabhat Tiwari, Mr. Yash Mehta, Ms. Nupur Banwadikar and Ms. Mariya Johar Hussain. The team came up with an innovation “Brahman”.
- To ensure that students keep on participating in such competitions and to train them on emerging technologies an STTP on IoT using Arduino and NodeMCU was organised on 12-13 August 2020 under TEQIP-III. Mr. Bappaditya Debsingha (Product Manager, Jio) was the keynote speaker. He covered topics like installation procedure for Arduino IDE, and Connecting Arduino with Arduino IDE. Over 240 students benefitted by the session.
- A live interactive session was organised on 23<sup>rd</sup> August 2020 with JEE Toppers of 2018, Mr. Pranav Goyal, Mr. Tarush Goyal, and Mr. Aneesh Garg who shared the success mantra to crack the entrance exam with JEE aspirants.

### LNCT INDORE

- A webinar was organized on “Career Opportunities in SAP during Covid-19 post lockdown phase” with Mr. Prashant Kelkar,

CEO, Delphi Computech, as the keynote speaker.

- Students namely Mr. Diyang Tiwari (II year), Mr. Vansh Kumar (II Year), Mr. Ajay Raj Tiwari (III Year) received NPTEL online certification on scoring highest percentile.
- Dr. Sandhya S. Chouksey, Director, LNCT Group Indore, gave free medicines distribution of preventive Homeopathy Medicine for Protection against Covid-19 at the Army Centre, MHOW, which was collected by Col. Baljeet for all the Veterans and officials of the Indian Army.

### SMRITI COLLEGE OF PHARMACEUTICAL EDUCATION, INDORE

- A plantation programme was organized at SCOPE premises on 8<sup>th</sup> August 2020 by planting saplings for the promoting pollution and toxin-free environment. Various medicinal plant saplings, fruits and flowering trees like Neem, Ashoka, Tulsi, peppermint herb, Guava, Pomegranate were planted. Dr. Neelesh Malviya, Principal shared information about the importance of medicinal herbs and usage of many plants. He also asked to plant more oxygen generating plants for creating a better environment and also to take regular care of the plants.

### SUSHILA DEVI BANSAL COLLEGE, INDORE

- Sushila Devi Bansal college, Indore has launched its YouTube channel SDBCCconnect as its knowledge hub. Various videos related to academics, trainings and placements are uploaded on this channel.

### PT. DEVPRABHAKAR SHASTRI COLLEGE OF TECHNOLOGY, CHHATRAPUR

- A webinar on the topic “ Civil engineering and it’s importance” was organized on 25<sup>th</sup> August 2020, at Pt. Devprabhakar Shastri College of Technology, Chhatrapur. This webinar was sponsored by ICI Jabalpur and Ultratech Cement. A detailed discussion was held on the topic “Importance of Civil Engineering and various opportunities coming in the field of engineering after the Corona period” by subjects experts, Er.Manish Dubey, ICI Chairman; Er. Adish Modi, Ultratech Cement and Dr. Sunit Anand.
- Three-days online workshop on “Web designing with Word Press” was organized under RGPV TEQIP-III in which Prof. Siddharth Dutt Choubey, SRIT College, Jabalpur trained students on how to design a website through Word Press.

### SAGAR INSTITUTE OF SCIENCE & TECHNOLOGY (SISTEC), BHOPAL

- Sagar Group’s Sagar Institute of Science and Technology – SISTec has bagged the Atal Ranking of Institutions on Innovation Achievements (ARIIA-2020) set up by MHRD’s Innovation Cell (MIC), Ministry of Education Government of India, and All India Council for Technical Education (AICTE). The ranking was announced virtually by Vice President of India Mr. M. Venkaiah Naidu in the presence of the Union Education Minister and MoS for Education Ministry Mr. Ramesh Pokhriyal ‘Nishank’. In the ARIIA-2020 ranking, SISTec was ranked in the top 51-75 Institutes in North Zone in the Private/Self-Financed College/Institutes category.

- The department of Computer Science and Engineering at Sagar Institute of Science & Technology (SISTec), Bhopal organized a one-week online STTP on Cyber Security & Ethical Hacking from 24<sup>th</sup> August 2020 to 28<sup>th</sup> August 2020. The main objective of this STTP was to provide the fundamental and practical knowledge of Cyber Security and Ethical Hacking. Interactive and hands-on sessions were planned in this STTP which helped participants to understand the computer forensic. Mr. Ajinkya Lohkare, CTO & Founder of Social-Spectra & Ditto security was the key speaker. The STTP covered various security tools like MALTEGO, Web data extractor, FOCA/ Evil FOCA, Nagios, Splunk, Tor etc. All sessions were hands-on where the expert demonstrated various security tools.
- A series of online Technical Talks on Recent Trendz in Engineering” was organized by the Sagar Institute of Science & Technology, Bhopal in association with the RGPV TEQIP-III from 24<sup>th</sup> August 2020 to 1<sup>st</sup> September 2020. This talk series was attended by over 2000 participants from various institutions. This series of technical talk was inaugurated by Dr. Keshvendra Choudhary, Principal SISTec, Gandhinagar. This online talk series enlightened the various emerging areas of Engineering like Energy Simulation in Building Design, Geographic information system, Robotics, Electric Vehicles, HVAC, Automation, Artificial Intelligence, Cyber Security and Blockchain etc.

### VIKRANT INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT, INDORE

- In order to encourage and motivate students and staff towards perseverance and sports as a life skill, the college organized a Sports Webinar Series- “Junoon”. In August, two webinars were organized - one by Mr. Dalip

Singh Rana, the Great Khali, (World Heavyweight Champion - WWE Super Star) on 9<sup>th</sup> August 2020, and second by Shri. I.M. Vijayan, International Ace Footballer, (Arjuna Awardee, Padamshri nominee) on 2<sup>nd</sup> August 2020.

- Department of Civil Engineering organised a webinar on “Drone /UAV Based Advance survey GNSS Device & GIS Software for Mapping” by Er. Rohit Gupta (CEO, R R Engineering services, Indore) on 31<sup>st</sup> August 2020.

### **VIKRANT INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT, GWALIOR**

- The college’s e-Magazine “V-Connect” (Monsoon Edition) was released on a digital platform on 15<sup>th</sup> August 2020. The eminent Academician Dr. P.S. Bisen and Group Editor of Swadesh Shri Atul Tare joined as Chief Guest, and Special Guest for the occasion.
- A two-day workshop on 16<sup>th</sup> & 17<sup>th</sup> August 2020 was organized on “Application of Remote Sensing & GIS in Disaster Management”. On 19<sup>th</sup> August 2020, a workshop was organized on “Significance and applications of ICT in teaching-learning process.” Dr. Atul Mishra, National Trainer-National Institute of Technical Teachers Training and Research (NITTR Bhopal), was the expert speaker.
- One-day online workshop on 25<sup>th</sup> August 2020 was organized on “National Digital Library of India - its features and services” under TEQIP-III. Dr. Vignesh Sornaman, Chief Strategist & Outreach Officer (National Digital Library of India) was the expert.

## NOMINATED REPRESENTATIVES OF SPANDAN FROM RGPV'S AFFILIATED INSTITUTION

REPRESENTATIVE'S NAME	INSTITUTION NAME
<i>Ms. Rumiya Agashe</i>	Vikrant Institute of Technology & Management Gwalior
<i>Mr. Rahul Saxena</i>	Ravishankar College of Pharmacy
<i>Mrs. Margi Patel</i>	Indore Institute of Science & Technology Indore
<i>Dr. Anupma Agrawal</i>	IPS College of Technology and Management
<i>Dr. Pradeep Chauhan</i>	Institute of Professional Studies-College of Pharmacy, Gwalior
<i>Mr. Ashish Singhai</i>	VNS Group of Institutions, Bhopal.
<i>Mr. Ankur Pandey</i>	UIT Shahdol
<i>Mr. Vivek Gautam</i>	Radharaman Engineering College
<i>Mrs. Nidhi Saxena</i>	Shri Ram Institute of Pharmacy, Jabalpur
<i>Dr. Rakesh Mishra</i>	LNCT (Bhopal) Indore Campus, Indore
<i>Mr. Abhishek Shrivastava</i>	Shri ram institute of technology pharmacy
<i>Dr. Pankaj Kushwah</i>	Thakur Shivkumarsingh Memorial Pharmacy College
<i>Dr. Meetoo Singh</i>	LNCT Bhopal
<i>Dr. Amit Nayak</i>	LNCP Bhopal
<i>Prof. Abhinav Bhargava</i>	LNCTE Bhopal
<i>Dr. Sangeeta Kapoor</i>	LNCTS Bhopal
<i>Prof. Anjna N. Singh</i>	Maharana Pratap College of Technology Gwalior
<i>Dr. Smita Raj Jain</i>	SIRTE
<i>Mr. Pradeep Mishra</i>	SDITS, Khandwa
<i>Mr. Saurav Kumar</i>	Laxmipati Institute of Science & Technology, Bhopal.
<i>Prof. Mushtak Patel</i>	Mahakal Institute of Technology, Ujjain
<i>Mr. Srinidhi Rao P.</i>	Chamelidevi Group of Institutions, Indore
<i>Shri Suryakant Patidar</i>	Shriji Institute of Technology & Management Khargone
<i>Mr. Manish Kumar Sabu</i>	Shanti College of Pharmacy
<i>Prof. Amit Saxena</i>	TRUBA Institute of Engineering & I.T.
<i>Dr. Akash Yadav</i>	IPS Academy College of Pharmacy, Indore
<i>Ms. Neha Singh</i>	Bhabha Engineering Research Institute, Bhopal
<i>Mr. Rohit Tiwari</i>	Pt. Devprabhakar Shastri College of Technology, Chhatarpur
<i>Dr. Ahmad Ali Khan</i>	All Saint's College of Technology
<i>Prof. Ashish Singhal</i>	SISTec-E, Bhopal
<i>Prof. C K Pardhi</i>	SISTec-R, Bhopal
<i>Dr. Vandana Gupta</i>	Mittal Institute of Pharmacy Bhopal
<i>Mr. Sumit Sharma</i>	Vaishnavi Institute of Technology & Science, Bhopal
<i>Er. Khushboo Sarwant</i>	Lakshmi Narain College of Technology Indore
<i>Prof. O.P. Mishra</i>	Bethesda Institute of Technology & Sciences (BITS) Gwalior
<i>Dr. Vijaya Menon</i>	Corporate Institute of Science and Technology Bhopal
<i>Prof. Ajay Acharya</i>	Hitkarni College of Engineering & Technology Jabalpur
<i>Ms. Fiza Farheen</i>	Ansh college of Pharmacy Gwalior
<i>Mrs. Sumitra Joshi</i>	Acropolis Institute of Technology & Research Indore
<i>Mr. Anindya Goswami</i>	Smriti College of Pharmaceutical Education Indore
<i>Mr. Gajendra Gayakwad</i>	Sistec Bhopal
<i>Dr. Vijay Nigam</i>	Daksh Institute of Pharmaceutical Science
<i>Mr. Shantilal Singune</i>	Charak Institute of Pharmacy, Mandleshwar
<i>Mrs. Priyanka Malviya Sushila</i>	Devi Bansal College of Engineering Indore

# संलग्न

## मुख्य संरक्षक

प्रो. सुनील कुमार

कुलपति

रा.गा.प्रो.वि. वि.

## सह-संरक्षक

प्रो. आर. एस. राजपूत

कुलसचिव

रा.गा.प्रो.वि. वि.

## मुख्य संपादक

डॉ. शशिरंजन अकेला

## सम्पादक मंडल

प्रो. सविता व्यास

डॉ. अमितोष सिंह

श्री रणजीत जोशी

## **प्रकाशक:**

राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

एयरपोर्ट रोड

भोपाल - 462033 (मध्य प्रदेश)

newsletter@rgtu.net



# स्पंदन

न्यूज़ लेटर



## RAJIV GANDHI PROUDYOGIKI VISHWAVIDYALAYA

(State Technological University of Madhya Pradesh)

Airport Road

Bhopal - 462033 (Madhya Pradesh)

[www.rgpv.ac.in](http://www.rgpv.ac.in)



for any suggestions email us at  
[newsletter@rgtu.net](mailto:newsletter@rgtu.net)

Spandan

SEPTEMBER, 2020